वर्षः 7- अंकः 203, मुंबई, मंगलवार, 10 अक्टूबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

लव, सेक्स और धोखा

लड़की के चक्कर में मारा गया जैश कमांडर अबू खालिद?

नई दिल्ली। श्रीनगर में बीएसएफ कैंप पर हुए आतंकी हमले के मास्टरमाइंड अबू खालिद को सुरक्षाबलों ने सोमवार को ढेर कर दिया। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि खालिद एक लड़की के चक्कर में मारा गया। बताया जा रहा है कि उसकी एक एक्स गर्लफ्रेंड ने ही उसके खिलाफ मुखबिरी की। सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षाबलों को खालिद के मूवमेंट और उसकी लोकेशन की जानकारी देने के लिए इस लड़की ने बाकायदा एक कोड वर्ड का इस्तेमाल भी किया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि कोई आतंकी लड़की के चक्कर में मारा गया हो। अगस्त में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर अबू दुजाना भी इसी वजह से मारा गया था।

(शेष 5 पर)

17 लड़कियों से थे संबंध!

सूत्रों ने बताया कि जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी अबू खालिद के 17 लड़कियों के साथ संबंध थे। सुरक्षाबलों को उसकी जानकारी देने वाली लड़की इन्हीं लड़कियों में से एक थी। बताया जा रहा है कि यह लड़की खालिद की बेवफाई से नाराज थी। उसे अहसास हो गया था कि खालिद उसके साथ रिश्ते को लेकर ईमानदार नहीं है। ऐसे में उसने सुरक्षाबलों की मदद करने का फैसला किया।

'जहन्नुम' रखा था कोड वर्ड

सूत्रों के मुताबिक, खालिद के बारे में सुरक्षाबलों को जानकारी देने के लिए 'जहन्नुम' कोड वर्ड रखा गया था। बताया जा रहा है कि यह कोड वर्ड भी उस लड़की ने ही रखा था क्योंकि उसे लग रहा था कि खालिद ने उसकी जिंदगी को जहन्नुम बना दिया है। खालिद जब उससे मिलने के लिए उसके घर आया तो लड़की ने इसी कोड वर्ड का इस्तेमाल करते हुए सुरक्षाबलों को सूचना दे दी। सूत्र बताते हैं कि आम तौर पर आतंकी जब लड़कियों से मिलने जाते हैं तो अकेले ही होते हैं। ऐसे में सुरक्षा बलों के पास उन्हें घेरने का सबसे सही मौका होता है।

ऐसा कभी-कभी होता है

विगत रविवार, 8 अक्टूबर को जब भारत की नारियां अपने अचल सुहाग के लिए करवाचौथ का व्रत कर रही थीं तो वहीं दूसरी तरफ नारी सम्मान संघटन की अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर, और कार्य सम्राट एमएलए असलम शेख की बहन कमरजहां सिद्दीकी, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ के अध्यक्ष अजय एल. दूबे और दैनिक मुंबई हलचल के संपादक व समाजसेवी हरदिलअजीज दिलशाद एस. खान के साथ मुंबई के कूपर अस्पताल में मानवता की एक नई इबारत लिख रही थीं।

जब कूपर अस्पताल में लिखी गई मानवता की नई इबारत

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

गोधरा कांड पर हाई कोर्ट का फैसला

11 की फांसी की सजा उम्रकैद में बदली

अहमदाबाद। 2002 में गोधरा में ट्रेन के डिब्बे जलाने के मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने 11 दोषियों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया है। अब इस मामले में किसी भी दोषी को फांसी की सजा नहीं है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

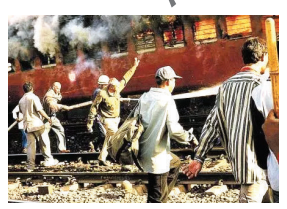

पटाखा बैन से लाखों कामगार होंगे प्रभावित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली में पटाखों की बिक्री पर लगाया गया बैन भले ही राजधानी की हवा ज्यादा गंदी होने से बचा ले, लेकिन बैन पटाखा उद्योग से जुड़े लाखों कामगारों का सांस लेना मुश्किल होना तय है। देश में पटाखों के मैन्युफैक्चरिंग हब तमिलनाडु का शिवकाशी दिल्ली में लगे इस बैन से सबसे ज्यादा प्रभावित होगा।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सिरदर्द बना राज का मोर्चा, हजारों फेरीवाले बेरोजगार

मुंबई। महाराष्ट्र, विशेषकर मुंबई की राजनीतिक बिसात पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के नेता राज ठाकरे ने अचानक वापस ऐंट्री लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों का सिरदर्द बढ़ा दिया है। एलफिंस्टन स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना में 23 लोगों की मौत की घटना के खिलाफ राज ठाकरे ने पुलिस, प्रशासन और अदालती आदेश की परवाह किए बिना चर्चगेट पर जो मोर्चा निकाला और इस मोर्चे में जिस तरह से युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, उसने मोर्चे को विराट स्वरूप दे दिया था।

अक्टूबर की कड़क धूप में भीड़, खासकर उनके युवा समर्थक जिस तरह ठाकरे के पीछे दीवाने होकर दौड़ रहे थे। यह दृश्य जिसने भी देखा उसे ठाकरे के राजनीतिक रूप से समाप्त होने की पूर्व निर्धारित धारणा पर खुद ही संदेह होने लगा होगा। ठाकरे ने बखूबी अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। उनके इस शक्तिप्रदर्शन से शिवसेना

और भाजपा तक क्या संदेश गया और 2019 के चुनाव में उनका यह संदेश किसे, कितना राजनातिक नफा-नुकसान पहुंचाएगा, यह तो सही वक्त आने पर महाराष्ट्र की जनता ही तय करेगी, लेकिन उनकी एक धमकी ने मुंबई के हजारों फेरीवालों को पिछले 4 दिन से बेरोजगार कर रखा है। राज ने चर्चगेट की भरी सभा में रेलवे को खुलेआम चुनौती दी कि अगर 15 दिन में रेलवे स्टेशनों के आस-पास से फेरीवालों को नहीं हटाया गया, तो 16वें दिन उनकी पार्टी के कार्यकर्ता खुद यह काम करेंगे। राज की इस ललकार के बाद समूचा रेलवे प्रशासन, रेलवे परिसरों से फेरीवालों को हटाने में जुट गया। रोज कमाने-खाने वाले फेरीवाले, रेलवे परिसरों के आस-पास धंधा लगाकर परिवार पालने वाले और उन पर आश्रित हजारों लोगों की रोजी-रोटी छीन ली गई। वहीं, दूसरी तरफ फेरीवालों को हटाए जाने के कारण रेलवे पुलों, स्टेशन परिसरों के आस-पास आम मुंबईकरों ने आने-जाने में बड़ी राहत महसूस की।

मुंबईकर इससे खुश भी बहुत हैं। उनका खुश होना जायज भी है, लेकिन जिन गरीब मेहनतकश फेरीवालों से उनका रोजगार छीन लिया गया उनके लिए कोई कुछ क्यों नहीं सोचता! क्यों नहीं राज इस बात की मांग करते कि 2014 से जो फेरीवाला कानून पास होकर पड़ा है, उसे लागू किया जाए। जिस तरह से राज रेलवे के खिलाफ मोर्चा लेकर गए, क्यों नहीं वैसा ही विशाल मोर्चा बीएमसी के खिलाफ निकाल कर फेरीवाला कानून लागू करने की मांग करते? अगर राज्य में एक बार फेरीवाला कानून लागू हो गया, तो कानूनन फेरीवालों के लिए हॉकर्स जोन निर्धारित हो जाएंगे। उसके बाहर अगर कोई फेरीवाला धंधा करेगा, तो उसे किसी का समर्थन नहीं मिलेगा। देश और दुनिया में वैसे ही बेरोजगारी अपने चरम पर है। नौकरियां हैं नहीं। ऐसे में गरीब और मेहनतकश लोगों से रोजगार छीनना न सिर्फ इस शहर के लिए, बल्कि राज्य और देश को लिए एक बड़ी सामाजिक समस्या का सबब बन सकता है।

काली जाएगी किसानों की दीवाली, नहीं मिला कर्जमाफी का फायदा

मुंबई। महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने किसानों से वादा किया था कि दीवाली से पहले उन्हें कर्जमाफी का फायदा मिलेगा, लेकिन अब ऐसा होना संभव नहीं है। बुधवार को राज्य के सहकारिता मंत्री सुभाष देशमुख ने कहा कि बैंकों ने अब तक फार्मों की जांच का काम पूरा नहीं किया है, इसलिए सरकार को समयसीमा बढ़ानी पड़ रही है।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि 'छत्रपति शिवाजी महाराज शेतकरी सम्मान योजना 2017' के तहत 56.59 लाख किसानों ने ऑनलाइन आवेदन दिया है, जिसमें 77.29 लाख खातेदारों का समावेश है। जिन जिलों के सभी बैंकों की पूरी जानकारी पहले प्राप्त होगी उन्हें तत्काल कर्ज माफी का लाभ दे दिया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए देशमुख ने कहा कि 3 अक्टूबर तक 32 व्यापारी बैंकों ने 20.54 लाख कर्जदारों की जानकारी दी है।

मध्यवर्ती सहकारी बैंकों ने 36.36 लाख खातेदारों में से 20.35 लाख कर्जदारों की जानकारी दी है। इसमें से 15 लाख खातेदारों की जानकारी का सहकारिता विभाग ने

ऑडिट कर प्रमाणित कर दिया है। उन्होंने कहा कि बैंकों से जांच के बाद फार्म ऑनलाइन अपलोड करने के बाद योजना के अंतर्गत पात्रता की सॉफ्टवेयर द्वारा जांच के बाद पात्र और अपात्र खातेदारों का निर्णय होगा। कई सारे किसानों ने अभी तक आधार कार्ड नंबर नहीं दिया है जिससे कर्जमाफी का फायदा देने में देरी हो रही है।

मुंबई में 4.5 लाख में बेचे जा रहे नवजात बच्चे, जांच जारी

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस एक ऐसे मामले की जांच में लगी है जो आपको भी चौंका देगा। खबरों के अनुसार यहां पर नवजात बच्चों को बेचने वाले एक गिरोह के सक्रिय होने की आशंका के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है। आरोप है कि यह गिरोह नवजात बच्चों को 4.5 लाख रुपए तक की कीमत में अमीर लोगों को बेच देता है।

एक अंग्रेजी अखबार की खबर इन बच्चों के खरीदारों में मुंबई का ही एक डॉक्टर, बेंगलुरु के सॉफ्टवेयर इंजीनियर और ठाणे के एक गायनेक ोलॉजिस्टपेडेस्ट्रीयन के नाम सामने आए हैं। बेचे गए बच्चे बेहद गरीब

परिवारों मं पैदा होते हैं।

मामले को लेकर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने तीन दंपतियों और तीन बच्चे बेचने वालों को ढूंढा है और उनके बयान रिकॉर्ड किए जा रहे हें। मुंबई पुलिस ने इस रैकेट का भंडाफोड़ सितंबर महीने में एक 29 वर्षीय जूलिया फर्नांडीज की गिरफ्तारी के बाद किया था।

अधिकारी के अनुसार जूलिया ने मुन्ना शेख और उसकी पत्नी से उनके 7 दिन के बच्चे को 20 हजार रुपए में खरीदा था। इसके बाद वो इस बच्चे को 1.5 लाख रुपए में बेचने की कोशिश में थी लेकिन पुलिस ने उसे डील होने से पहले ही पकड़ लिया था। इसके बाद बच्चे को चाइल्ड केयर सेंटर भेज दिया गया था। सूत्रों के अनुसार बेंगलुरु के दंपति ने बच्चे को 4.5 लाख में खरीदा था वहीं ठाणे के डॉक्टर ने 4 लाख रुपए दिए थे। इनके अलावा मुंबई के डॉक्टर द्वारा दी गई रकम का खुलासा नहीं किया गया है।

हाइवे पर अब मिलेंगी फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं

मुंबई। हाइवे पर लंबी दूरी की यात्रा तय करने वाले यात्रियों को राज्य के सार्वजनिक निर्माण विभाग खुशखबरी लेकर आया है। विभाग ने देश के नवरत्न भारत पेट्रोलियम, इंडियन ऑइल और हिंदुस्थान पेट्रोलियम से करार किया है। करार के अनुसार, ये दिग्गज कंपनियां राज्य के हाइवे पर 100 पेट्रोल पंप के साथ-साथ टॉइलेट, इंटरनेट, रेस्टोरेंट, उपहार गृह, एटीएम और पार्किंग जैसी सुविधा मुहैया कराएंगे। इन नई सुविधा की पूरी डिजाइन राज्य का सार्वजनिक निर्माण विभाग बनाएगा।

वित्तमंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने इस साल का बजट पेश करते हुए हाइवे पर आधुनिक व बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। सरकार की उसी घोषणा को अमल लाने के लिए सार्वजनिक बांधकाम विभाग के प्रधान सचिव आशीष कुमार सिंह ने भारत सरकार के नवरत्न कंपनियों से संपर्क कर योजना का खाका बनाया। सिंह ने ऐसा प्लान बनाया जिससे राज्य

सरकार की एक चवन्नी भी खर्च नहीं होगा और जैसी सुविधा उन्हें हाइवे पर चाहिए वैसी सुविधा मिल सकेगी।

बुधवार को सार्वजनिक निर्माण कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील ने इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार ने सार्वजनिक निर्माण विभाग और पेट्रोलियम कंपनियों के साथ करार हुआ है। ये कंपनियां राज्य के हाइवे पर पहले चरण में 100 टॉइलेट के साथ जनसुविधा केंद्र बनाएगी। राज्य के हाइवे पर टॉयलेट न होने से यात्रा करने वाली महिलाओं को समस्या होती है। इस तरह की कई शिकायत सरकार को आए दिन मिल रही है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने पेट्रोलियम कंपनियों के साथ करार किया है। ये कंपनियां पेट्रोल पंप के साथ टॉइलेट, इंटरनेट, रेस्टोरेंट, उपहार गृह, एटीएम और पार्किंग जैसी सुविधा यात्रियों को मुहैया कराएगी। सार्वजानिक निर्माण विभाग इन कंपनियों को 2 से 5 एकड़ जमीन किराए पर देगी।

इस संबंध में बुधवार को मंत्रालय में बैठक हुई, जिसमें मंत्री पाटील के अलावा जलसंधारण मंत्री राम शिंदे, राजस्व विभाग के प्रधान सचिव मनुकुमार श्रीवास्तव, सार्वजनिक बांधकाम विभाग के प्रधान सचिव आशीष कुमार सिंह, भारत पेट्रोलियम के संतोष कुमार, इंडियन ऑइल के उपाध्याय, हिंदुस्थान पेट्रोलियम के.श्रीनिवासन सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

मनपा के पास लगी स्ट्रीट लाइटें होंगी हेरिटेज के अनुरुप

मुंबई। दक्षिण मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। सीएसएमटी और मुंबई मनपा मुख्यालय हेरिटेज के सामने रास्तों पर लगी स्ट्रीट लाइटें और सिग्नल के खंभे भी हेरिटेज के अनुरुप होगें। फिलहाल इस परिसर में २२ खंभों पर लाइटें और 10 सिग्नल है, यानि कुल 32 खंभे हैं। अब इस परिसर को और अधिक आकर्षक करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के हेरिटेज के अनुरुप खंभे लगाए जाएंगे। तथा खंभों की संख्या ३२ कम कर के ९ कर दी जाएगी। दक्षिण मुंबई के दादाभाई नौराजी मार्ग पर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पश्चिम द्वार के सामने मुख्य चौक पर स्ट्रीट लाइट के 22 खंभे हैं। इसके अलावा परिवहन के 10 खंभे हैं। फिलहाल कुल 32 खंभे इस इलाके में हैं। इन सभी खंभों को हटाया जाएगा। और उनकी जगह हेरिटेज के अनुरुप ९ खंभें लगाए जाएंगे। इन 9 खंभों में से 5 खंभें स्ट्रीट लाइट के लिए होगी, प्रत्येक खंभे की ऊंचाई ३९.३७ फुट होगी और बचे हुए ४ खंभों का उपयोग परिवहन सिग्नल के लिए किया जाएगा। नए लगाए जा रहे सभी हेरिटेज खंभे माया डिजाईन के प्रकार के होंगे। इन सभी खंभों को बाहर और अंदर से गैल्वनाइजेशन कर विशिष्ट रंगों से रंगा जाएगा। वह गंज रोधक होंगे। निविदा की अनुसार इन खंभों की आयु तकरीबन 25 वर्ष होगी। इन खंभों को इटली से आयात किया जाएगा। स्ट्रीट लाइटों के खंभों पर नीचे की तरफ परिवहन सिग्नल लगाने की सुविधा भी रहेगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बिग बॉस से बाहर हुए जुबैर ने की सलमान की शिकायत

मुंबई। रियलिटी शो बिग बॉस 11 के घर से बाहर हुए मुंबई के जुबैर खान ने सलमान खान के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। जुबैर खान ने मुंबई के एन्टॉप हिल पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत की है। इसमें उन्होंने सलमान पर शो के दौरान धमकी देने का आरोप लगाया है। बता दें कि सलमान के डांटने के बाद जुबैर ने बिग बॉस के घर में सुसाइड अटेम्प्ट किया था। जुबैर खान ने अपनी शिकायत में कहा है, सलमान ने मुझे नेशनल टीवी पर इंडस्ट्री में काम नहीं करने देने की धमकी दी और बाहर निकलने पर कुत्ता बनाने की बात कही। जुबैर ने सलमान खान और कलर्स पर इल्जाम लगते हुए कहा, मैंने कभी भी खुद को दाऊद की बहन हसीना पारकर का दामाद नहीं बताया। कलर्स के लोगों ने उन्हें जो बात कही, वो उन्होंने अपने वीडियो में कही। सलमान ने मुझे सबके सामने धमकी दी है, जिसका अब वो कानूनी तौर पर जवाब देंगे। जुबैर खान ने सलमान को धमकी देते हुए ये भी कहा कि वो विवेक ओबेरॉय नहीं हैं जो सलमान से डर जाएं।

जुबैर और उनकी वकील ने ये भी कहा कि कलर्स चैनल के लोगों ने जान बूझकर उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती ना करवाकर प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया। जुबैर ने एन्टॉप हिल में दर्ज अपनी शिकायत को लोनावला पुलिस को भी भेज दिया है।

धमकाने का आरोप

क्या कहा था सलमान खान ने?

शनिवार को सलमान कंटेस्टेंट जुबेर खान पर काफी गुस्सा हुए थे। जुबेर की बदतमीजी और गाली-गलौच को लेकर सलमान इतना भड़क गए कि उन्होंने ये तक कह दिया, घर से बाहर निकलने के बाद अगर कुत्ता नहीं बनाया तो मेरा नाम सलमान खान नहीं। इस दौरान सलमान ने जुबैर खान को उनकी सच्चाई जनता को बताने की भी धमकी दी। पूरे एपिसोड के दौरान सलमान अब आगे ऐसा न करने की बात कहते रहे। वहीं, बीच में जब जुबैर ने सलमान खान को भाईजान कहा तो उन्होंने खुद को भाई न कहने के लिए सखी से मना कर दिया।

जुबैर ने अर्शी को कहा था 2 रुपए की औरत

जुबैर ने शो में लड़ाई के दौरान अर्शी को भद्दी बातें कही थीं। उन्होंने अर्शी को 2 रुपए की औरत भी कहा था। ऐसी ही कई बातों की वजह से सलमान ने जुबैर खान को फटकार लगाई। वहीं, सलमान ने हिना खान और हितेन तेजवानी पर कंटेस्टेंट्स के खिलाफ सही ऑब्जेक्शन न लेने पर भी सवाल उठाए।

अंडरवर्ल्ड का रिश्तेदार बताता था जुबैर

घर में जुबैर कई बार कंटेस्टेंट को धमकाते नजर आए थे। उन्होंने 'बिग बॉस' में कहा था, मेरे रिलेटिव्स अंडरवर्ल्ड से जुड़े हैं, ये सबको पता है। जिस एरिया में बिलॉन्ग करता हूं, मेरी जिद थी कि मुझे मेरी लाइफ में कुछ करना है। मैं उन लोगों की तरह नहीं बनना चाहता। जुबैर पिछले 15 सालों से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। उन्होंने अंडरवर्ल्ड पर बेस्ड 'लकीर का फकीर' (2013) फिल्म डायरेक्ट की है। साथ ही, वो कई ऐड्स में भी काम कर चुके हैं।

लोकल ट्रेन की छत से टपका पानी

मुंबई। शहर की लाइफलाइन के रूप में फेमस मुंबई लोकल ट्रेन के अंदर का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शनिवार को एक लोकल ट्रेन की छत अचानक टपकने लगी। ट्रेन की छत से गिरते पानी का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। वीडियो सामने आने के बाद लोग रेलवे के काम करने के तरीके पर सवालियां निशान लगाते हुए जमकर मजाक बना रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, वीडियो खोपोली जाने वाली लोकल ट्रेन के जनरल कम्पार्टमेंट का है। वीडियो में ट्रेन की छत से पहले पानी की कुछ बूंदें गिरती हुई नजर आती हैं और उसके बाद तेजी से पानी गिरने लगता है। ट्रेन के अंदर पानी गिरने से के बाद उसमें सवार यात्रियों ने उस कम्पार्टमेंट को चेंज कर दिया। माना जा रहा है कि वीडियो ट्रेन में सवार किसी यात्री ने बनाया और उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद लोग रेलवे की खिंचाई कर रहे हैं। एक शख्स ने ट्विटर पर लिखा है, ऐसा हाल लोकल के हर डिब्बे का है। ज्यादातर में न तो लाइट है और न ही पंखे काम कर रहे हैं। विंडो पर धूल जमी हुई है। वीडियो सामने आने के बाद अब रेलवे इस मामले में जांच करवाने की बात कह पलड़ा झाड़ रहा है।

जब टूरिस्ट के सामने आ गया मगरमच्छ

मुंबई। आप समुद्र किनारे टहल रहे हों और अचानक आपके सामने एक विशालकाय मगरमच्छ आ जाए। ऐसे में आपका डरना लाजमी है। लेकिन महाराष्ट्र के रत्नागिरी में ठीक इसके उल्टा मामला देखने को मिला। यहां भीड़भाड़ वाले बीच पर एक मगरमच्छ आ गया। बीच पर जमा लोगों ने भागने की जगह पुलिस वालों के साथ मिल उसे काबू किया और वापस समुद्र में भेजा। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया, महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के दापोली तहसील स्थित लाडघर समुद्र किनारे पर रविवार को काफी भीड़ थी। सैकडों की संख्या में टूरिस्ट टहल रहे थे। तभी अचानक वहां एक मगरमच्छ

किनारे पर आ गया। लोगों को पहले लगा कि वह मरकर पानी में बहता हुआ समुद्र किनारे आ गया है। इसके बाद लोग जैसे ही उसके पास पहुंचे उसने हमला बोल दिया। उसके हमले की सूचना के बाद बीच पर कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने स्थानीय लोगों को साथ लिया और मगरमच्छ को पकड़ने का अभियान शुरू किया। तकरीबन आधे घंटे के भीतर स्थानीय लोगों की सहायता से वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को पकड़ लिया। इसके बाद इसे वापस पानी में छोड़ दिया गया। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि इतने बड़े मगरमच्छ को पकड़ना आसान नहीं था। मगरमच्छ को पकड़ने के लिए जाल भी डाला गया लेकिन वह जाल फाड़ कर बाहर निकल गया।पानी में मगर की ताकत कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में अगर पकड़ने वाले सतर्कता न बरतते तो उनकी जान भी जा सकती थी। एक मगरमच्छ को पकड़ने का वीडियो सामने आने के बाद अब सोशल मीडिया में इनकी खूब तारीफ हो रही है।

बीजेपी शासन में बढ़ा किसान आत्महत्या का ग्राफः शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में किसान आत्महत्या का ग्राफ बढ़ा है। पवार ने कहा कि यूपीए सरकार ने किसानों से बिना एक फार्म भराए 70 हजार करोड़ रुपए का कर्जमाफ किया था, लेकिन भाजपा सरकार ने कर्जमाफी के लिए 20 कॉलम का फॉर्म ऑनलाइन भरने के लिए किसानों पर सख्ती बरती है। फार्म में दी गई जानकारी गलत नकली तो आपराधिक कार्रवाई होगी। यदि किसी छोटे किसान से फार्म भरने में चूक हुई तो उसे कर्जमाफी का फायदा भी नहीं मिलेगा। रविवार को पार्टी के लीगल सेल की तरफ से राज्य स्तरीय अधिवक्ता परिषद का आयोजन किया गया था। पवार इसी को संबोधित कर रहे थे। राकांपा प्रमुख ने कहा कि किसानों के आत्महत्या करने का मुख्य कारण साहूकारी कर्ज है। किसानों को साहूकारों से मुक्त करने के लिए कानून को प्रभावी रूप से लागू करना होगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

दिवाला, दिवाली और जीएसटी

जो लोग कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माल एवं सेवा कर जीएसटी में बदलाव करके भारत भारत में दिवाली से पहले ही दिवाली को रोशन कर दिया है। उन्हें शायद यह नही मालूम की प्रधानमंत्री मोदी के जीएसटी के कारण पिछले कई महीनों से भारत के लगभग प्रत्येक नागरिक के घर में अंधेरा छाया हुआ है। क्योंकि पहले से नोटबंदी की मार से परेशान इन नागरिकों को संभलने का मौका भी नही मिला कि जीएसटी आ गई। इस जीएसटी के कारण भारतीय उद्योग जगत की चूले हिल गई। कई कंपनी बंद हो गई तो कई पर बंदी की तलवार लटकने लगीं। जाहिर सी बात है इसके कारण बड़ी संख्या में लोग बेरोजगार हुए। उन्हें घर बैठना पड़ा। पहले से महंगाई से त्रस्त जनता जनार्दन इस तिहरी मार से बौखला गए और वे अच्छे दिन आएंगे का नारा देकर सरकार बनाने में सफल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना तक करने लगे। जबकि केंद्र सरकार के एनडीए में शामिल उनके ही दल के कई नेता भी मोदी के इस कार्य की आलोचना करके जनता की वाहवाही लूटी। हद तो तब हो गई जब भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता भी प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना कर डाली। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह जरूरी हो गया कि वह जीएसटी में कुछ बदलाव करके सारे आलोचकों का मुंह बंद रखें और जनता को भी कुछ राहत मिले। दबाव में ही सही उन्होंने तत्काल जीएसटी पर नई नीति निर्धारित की और उन्होंने जीएसटी में राहत देने की घोषणा की। जबकि सच्चाई यह है कि आज पूरा देश महंगाई की भीषण मार से त्रस्त है। बात चाहे खाद्यान की हो अथवा आभूषण की, चार चक्के वाली गाड़ियों की हो अभवा दो पहिया वाली बाइक की, वस्त्र की बात हो अभवा रोजमर्रा के कार्य आने वाली वस्तुओं की। हर चीज एवं सामान के दाम मोदी जी के सपनों की तरह आसमान छूने को बेताब हैं। और हमारे प्रधानमंत्री मंत्रीमंडलीय खैरख्वाह उन्हें राहत के देवता बनाने पर तुले हैं। ऐसे में दिवाली के पहले ही दिवाली एक नए जुमले की तरह लोगों की जुबान पर तो है ही मीडिया में भी सुर्खियां बनी हुई हैं। जबकि वे बेचारे जिन्हें जीएसटी का मतलब भी मालूम नही है। दिवाला के बाद कैसे औरा किस तरह दिवाली मनाएंगे। यह अपने आप में एक प्रश्न चिन्ह है।

-दिलशाद एस. खान

राह से भटका वामपंथ

विश्व विचारों से भरापूरा है। ऋग्वेद के ऋषि कवि यह तथ्य जानते थे। उन्होंने स्तुति की-सभी दिशाओं से आएं सद्विचार हमारे पास। विचार विविधता भारतीय संस्कृति का आभूषण है। यहां अनेक विचार हैं। इस्लाम आने के साथ ही मजहबी विचारधारा भी आई और ईस्ट इंडिया कंपनी के बाद ईसाइयत का विचार भी फला-फूला, लेकिन 1925 में कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जन्म के साथ आए वैज्ञानिक भौतिकवादी विचार ने नई पीढ़ी को झकझोर दिया था। संयोग है कि उसी साल 1925 में ही भूसांस्कृतिक राष्ट्रवाद का स्वदेशी विचार लेकर डॉ. हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बनाया था। मार्क्सवाद पर देसी विचार था और संघ का राष्ट्रवाद स्वदेशी। दोनों विचारधाराओं में कांटे की टक्कर हुई। दोनों समूहों की टक्कर पीछे 92 साल से जारी है। अब कम्युनिस्ट विचार के लोग पुरातात्विक मिथक जैसे हैं। संघ विचार के कार्यकताओं ने उन्हें उनके गढ़ केरल में घुसकर चुनौती दी है। हिंसक वाम समूहों द्वारा संघ कार्यकताओं की हत्या भी की जा रही है। हिंसक विचार का अंत सुनिश्चित है। वामपंथ का अस्त 92 साल के भीतर ही हो जाना अस्वाभाविक नहीं। अंधविश्वासी पंथिक विचार का आधुनिक विश्व में कोई भविष्य नहीं। मार्क्सवाद का सामाजिक दर्शन ईसाई पंथिक विचार का विरोधी था। मार्क्स ने इसी संदर्भ में ईश्वर को अफीम कहा था। ईसाइयत का ईश्वर मार्क्स की दृष्टि में अंधविश्वास था। अंधविश्वास से ठगी और शोषण होता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण में अंधविश्वास का स्थान नहीं होता, लेकिन आश्चर्य है कि तर्क बुद्धि और शुद्ध अर्थशास्त्र से पैदा मार्क्सवाद भी मजहब बन गया। मार्क्सवादी कट्टरपंथी मजहबी से भी ज्यादा कट्टरपंथी हैं। वाद विवाद संवाद में उनकी आस्था नहीं है। भारत के सुशिक्षित वामपंथी भी अपनी भारत विरोधी टिप्पणियों के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे पक्ष के सही और संवैधानिक तथ्य को भी ह्यथोपा जानाह्न बताते हैं। वंदेमातरम्-राष्ट्रगीत है। वे कहते हैं कि इसका थोपा जाना अनुचित है। राष्ट्रभाव स्वाभाविकता है।

वे कहते हैं कि राष्ट्रवाद का थोपा जाना असहिष्णुता है। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की निष्ठा अपरिहार्य है। वे इसे भी थोपे जाने का आरोप लगाते हैं। उनकी प्रकृति विचार आधारित नहीं, बल्कि पंथिक अंधविश्वासी है। कम्युनिस्ट विचार के पतन का इतिहास बड़ा दिलचस्प है। 1928 में कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की बैठक हुई। अंग्रेज शासित उपनिवेशों में पार्टी बढ़ाने के लिए अलग रणनीति बनी। भारतीय कम्युनिस्टों को निर्देश मिला कि वे भारत के राष्ट्रीय सुधारवादी नेताओं से संघर्ष कर गांधीवादी स्वराजवादी आदि सभी राष्ट्रवादियों का पदार्फाश करें और राष्ट्रवादी बुर्जुआ व ब्रिटिश साम्राज्यवादियों के अंतर्विरोधों का लाभ उठाएं। बेशक दोनों में अंतर्विरोध थे। राष्ट्रवादी स्वराज चाहते थे और साम्राज्यवादी यथास्थिति। कम्युनिस्ट क्रांति चाहते थे। यह इतिहास की गलत व्याख्या पर आधारित थी। आखिर दोनों के अंतर्विरोध से कैसा लाभ उठाना था? 1934 तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कामकाज के मुख्य केंद्र मुंबई, कलकत्ता, पंजाब और मद्रास थे। 1934 में कांग्रेस के समाजवादी समूह ने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी बनाई। भारतीय कम्युनिस्ट समाजवाद को अपना पेटेंट मानते थे। उन्होंने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी को सोशल फासिस्ट बताया। जो उनकी हां में हां मिलाए वही वामपंथी और जो

वैसा ही नया विचार समूह बनाए वह फासिस्ट। फासिस्ट उनकी प्रिय गाली है। वे मोदी सरकार को भी फासिस्ट कहते हैं। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की लोकप्रियता बढ़ी तो यही कम्युनिस्ट इसके सदस्य बन गए।

कांग्रेस और गांधी से लड़ाई, लेकिन उसी समूह में काम कम्युनिस्ट ही कर सकते थे। सोशलिस्ट व कम्युनिस्ट मित्रता 1937 तक परवान चढ़ी। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के मेरठ सम्मेलन में दोनों को मिलाकर मार्क्स और लेनिन के विचार पर नई यूनाइटेड कम्युनिस्ट पार्टी के गठन की बात हुई। ईएमएस नंबूदरीपाद व जेडए अहमद कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के केंद्रीय संयुक्त मंत्री बने। दोस्ती और दुश्मनी साथ-साथ। 1940 की रामगढ़ बैठक में भाकपा ने सर्वहारा मार्ग की घोषणा की। इसमें पूरी हड़ताल, कर न दो के एलान के साथ हथियारबंद क्रांति की अपील थी। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी ने सभी कम्युनिस्टों को बर्खास्त कर दिया। कम्युनिस्ट पार्टी ने कथित क्षेत्रीय सामंतों के विरूद्ध तेलंगाना, त्रिपुरा और केरल में हथियारबंद आंदोलन चलाए। हिंसा से शक्ति बढ़ी, लेकिन इससे ज्यादा अलोकप्रियता भी बढ़ी तो भी पार्टी 1952 में लोकसभा में प्रमुख विपक्ष बनी। उसका जनाधार बंगाल, केरल व त्रिपुरा में बढ़ा। इन राज्यों में सरकारें भी चलाईं। पश्चिम बंगाल हाथ से निकल चुका है। केरल की स्थिति नाजुक है। त्रिपुरा भी ठीक नहीं।

कम्युनिस्ट भारत और भारतीय संस्कृति से प्यार नहीं करते। वे भारत में कई राष्ट्र देखते हैं। एक जन एक संस्कृति और एक राष्ट्र की समझ वैज्ञानिक भौतिकवाद में नहीं है। चीन का हमला भारत के मन पर गहरा जख्म है। कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर कम्युनिस्ट चीन और अपने भारत की निष्ठा को लेकर द्वंद्व था। पार्टी टूट गई। चीन प्रिय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट हो गए और शेष भारतीय कम्युनिस्ट। वैसे कम्युनिस्ट विचार के दो दर्जन से ज्यादा संगठन हैं। दूसरों को फासिस्ट बताने वाले वामसमूह ने 1975 में इंदिरा गांधी की फासिस्ट तानाशाही का समर्थन किया। आपातकाल में पूरा देश यातनागृह था। तब भी कम्युनिस्ट फासिस्ट सत्ता के समर्थक थे। वे सोनिया गांधी के संप्रग में भी थे। कहने को उसका न्यूनतम साझा कार्यक्रम था, लेकिन यह प्रच्छन्न सत्ता भागीदारी का न्यूनतम साझा प्रोग्राम था। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया। वे सत्ता को हिलाते थे, सत्ता हिलती थी। वे अपने विचार थोपते थे। संप्रग सिर झुकाने को विवश था। कम्युनिस्ट प्रभाव का विकास कांग्रेस के खाद पानी से ही होता रहा।

2008 में वामपंथी अमेरिकी परमाणु करार के विरोधी थे। उन्होंने संभवतः पहली दफा राष्ट्रहित शब्द का प्रयोग किया। तब बंगाल बचा था। वाम हिंसा और कुशासन से पीड़ित बंगाली जनसमुदाय ने उन्हें खारिज किया। उत्तर प्रदेश में मुलायम, माया के सहयोग से दम भरने को तैयार थे, लेकिन उनसे यारी को कोई तैयार नहीं हुआ। उनकी विदाई का समय है। तो भी तमाम जिज्ञासाएं हैं। मसलन उन्होंने गांधी का विरोध क्यों किया? उन्होंने सुभाष चंद्र बोस का समर्थन क्यों नहीं किया? उन्होंने 1857 को स्वाधीनता संग्राम क्यों नहीं माना? आपातकाल का समर्थन क्यों किया? उन्होंने पूर्वज आर्यों को विदेशी सिद्ध करने में ही सारी बौद्धिक शक्ति क्यों लगाई? सवाल और भी हैं। 92 साल कम नहीं होते। इसी दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बिना सदस्यता पर्ची ही दुनिया का सबसे बड़ा संगठन बन गया। यह राष्ट्रीय होकर भी अंतरराष्ट्रीय है और कम्युनिस्ट अंतरराष्ट्रीय होकर भी केरल में हारी लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं? आत्मचिंतन ऐतिहासिक कम्युनिस्ट घोषणा पत्र में है नहीं। कम्युनिस्ट शायद इसीलिए ऐतिहासिक गलतियां करते हैं। इतिहास में ऐसी गलतियों के लिए क्षमा की कोई व्यवस्था नहीं।

वीआइपी संस्कृति

रेल मंत्री ने रेलवे में वीआइपी संस्कृति को खत्म करने के लिए जो आदेश जारी किया वह स्वागत योग्य है, लेकिन इस आदेश से यह भी पता चल रहा है कि ऐसी ही वीआइपी संस्कृति अन्य अनेक विभागों में भी व्याप्त हो सकती है। रेल मंत्री के इस आदेश से यह भी स्पष्ट होता है कि विशिष्ट व्यक्तियों के वाहन में लालबत्ती के इस्तेमाल को रोकने के फैसले से वीआइपी संस्कृति का पूरी तौर पर खात्मा नहीं हुआ है। इसके अनेक प्रमाण भी रह-रहकर सामने आते रहते हैं। कभी कोई मंत्री हवाई यात्रा के दौरान विशिष्ट सुविधा की मांग करता दिखता है तो कभी कोई सुरक्षा के अनावश्यक तामझाम के साथ नजर आता है। इस सबसे यही इंगित हो रहा है कि वीआइपी संस्कृति को खत्म करने के लिए अभी और कई कदम उठाने होंगे। ऐसे कदम उठाने के साथ ही यह भी देखना होगा कि कहीं पिछले दरवाजे से वीआइपी संस्कृति वाले तौर-तरीके फिर से तो नहीं लौट रहे हैं। ऐसा इसलिए आवश्यक है, क्योंकि हमारे औसत शासक अभी भी सामंती मानसिकता से ग्रस्त नजर आते हैं। जैसे ही नेतागण सत्ता की ऊंची कुर्सी हासिल करते हैं, वे खुद को विशिष्ट दिखाने के लिए तरह-तरह के जतन करने में लग जाते हैं। कुछ ऐसी ही स्थिति शीर्ष नौकरशाहों की भी है। यह समझना कठिन है कि रेलवे बोर्ड के चेयरमैन अथवा सदस्यों के दौरे के समय रेलवे महाप्रबंधकों के लिए उनकी अगवानी के लिए उपस्थित होना क्यों आवश्यक था?

यह आश्चर्यजनक है कि इससे संबंधित नियम पिछले 36 सालों से अस्तित्व में था और इसके पहले किसी ने भी उसे खत्म करने की जरूरत नहीं समझी। यह अच्छी बात है कि रेलमंत्री ने इस अनावश्यक व्यवस्था को खत्म करने के साथ ही अन्य अनेक फैसले लिए। इन फैसलों के तहत करीब तीस हजार वे कर्मचारी अब रेलवे की सेवा में लगेंगे जो अभी तक अधिकारियों के यहां घरेलू सहायक के तौर पर काम कर रहे थे। हैरत नहीं कि इसी तरह अन्य विभागों के भी कर्मचारी घरेलू सहायकों के रूप में शीर्ष अधिकारियों के घर में ड्यूटी बजा रहे हों। अच्छा यह होगा कि केंद्र सरकार और साथ ही राज्य सरकारों के स्तर पर सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को घरेलू सहायक के रूप में इस्तेमाल न करें। चूंकि वीआइपी संस्कृति के तहत खुद को आम लोगों से अलग एवं विशिष्ट दिखाने की मानसिकता ने कहीं अधिक गहरी जड़ें जमा ली हैं इसलिए उन्हें उखाड़ फेंकने के लिए हर स्तर पर सक्रियता दिखानी होगी।

वस्तुतः यह संस्कृति नहीं, एक कुसंस्कृति है और एक बुरी संस्कृति के रूप में इसका विस्तार हो जाने का ही यह दुष्परिणाम है कि शीर्ष पदों पर बैठे नेता एवं नौकरशाह आम लोगों की समस्याओं के समाधान करने को लेकर आवश्यक संवेदनशीलता का परिचय देने से इन्कार करते हैं। जब तक शासक वर्ग स्वयं को आम जनता से अलग एवं विशिष्ट मानता रहेगा तब तक जनसमस्याओं के समाधान की प्रक्रिया शिथिल ही रहने वाली है। यह आवश्यक हो जाता है कि रेल मंत्री ने अपने विभाग में वीआइपी संस्कृति को खत्म करने के लिए जैसे कदम उठाए वैसे ही कदम अन्य सभी मंत्री भी उठाएं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अब हमारे आंदोलन से जुड़ा कोई भी कार्यकर्ता राजनीति में नहीं उतरेगा : अन्ना

अहमदनगर। वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजार ने फिर एक बार जनलोकपाल की लडाई लड़ने वाले के लिए तैयार हैं। वे लोकपाल नियुक्ति के लिए फिर से जनवरी या फरवरी में दिल्ली के रामलीला मैदान में आंदोलन करने वाले हैं। वहीं अन्ना ने चेतावनी दी है कि, हमारे आंदोलन में शामिल कोई भी कार्यकर्ता इससे आगे राजनीति में नहीं उतरेगा। अगर कोई कार्यकर्ता राजनीति में उतरता है तो हम उसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे।

अन्ना हजारों ने रविवार को अपने गांव रालेगण सिद्धी में अपनी नई टीम के साथ बीजेपी और मोदी के खिलाफ आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए और देश को भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने के लिए जनलोकपाल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि, देशभर में भ्रष्टाचार विरोधी जन आंदोलन की ब्रांचें खोलेंगे। दिल्ली में आंदोलन से पहले पूरे देश का दौरा किया जाएगा। वहीं स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों, किसानों की कर्जमाफी तुरंत लागू करने सहित कई महत्वपूर्ण मांगों को लेकर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

केजरीवाल पर साधा निशाना

अन्ना हजारे ने बैठक में कहा कि, हमारे आंदोलन से जुडने वाला कोई भी कार्यकर्ता राजनीति में नहीं उतरेगा। अगर कोई ऐसा करता है तो हम उसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे। बता दें कि पिछली बार जनलोकपाल की लड़ाई में अरविंद केजरीवाल के साथ उनके साथ उतरे थे। बाद में वे राजनीति में उतरे। केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने और बाकी कुछ लोग भी मंत्री बन गए।

2013 में बना लोकपाल का कानून

बता दें कि अन्ना द्वारा विशाल जनआंदोलन करने के बाद तत्कालीन केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा में लोकपाल का विधेयक मंजूर किया था। राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद लोकपाल का कानून बना। 'लोकपाल, लोकायुक्त विधेयक 2013' में लोकपाल नियुक्ति के लिए पांच सदस्यों की समिति गठित करने का प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिति के अध्यक्ष होंगे। वहीं लोकसभा अध्यक्ष, विपक्ष नेता और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सदस्य होंगे।

इसलिए नहीं नियुक्त हुआ लोकपाल

केंद्र सरकार ने ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि, किसी भी पार्टी के पास विपक्ष नेता नहीं है। इसलिए कानून में बदलाव किए बिना लोकपाल को नियुक्त नहीं किया जा सकता। लोकसभा में कांग्रेस सबसे वाली पार्टी है, लेकिन संख्या बल पूरा न होने से लोकसभा में पार्टी का विपक्ष नेता नहीं है। कांग्रेस के 45 सदस्य है और विपक्ष नेता चुनने के लिए 55 सदस्यों की आवश्यकता होती है।

संघर्ष

जीवन एक संघर्ष है
जैसे फूलों संग कांटे
नहीं मानो हार इस कदर
जीवन एक संघर्ष है

माना पत्थर है राहों में
जैसे आग है अंगारों में
नहीं डगमगाना इस कदर
जीवन एक संघर्ष है

आंधी आए या तूफान
या हो कोई और बवंडर
थमना नहीं कहीं ऐ राही
जीवन एक संघर्ष है

एक दिन ऐसा आएगा
बादल रिमझिम बरसेगा
जीवन पथ पर चलते जाना
जीवन एक संघर्ष है

रख खुद पर यह विश्वास
कर ले कर्म ना हो निराश
रात के बाद ही है सवेरा
जीवन एक संघर्ष है

- अंजना परमार
एस.वी.पी. स्कूल
(के.ई.एस.) कांदिवली

सीट पर बैठने को लेकर ट्रेन में चली तलवार

औरंगाबाद। यात्रियों से खचाखच भरी नांदेड एक्सप्रेस में सीट के विवाद में तलवार लहराने की घटना का वीडियो सामने आया है। इसमें एक शख्स खुलेआम तलवार चलता हुआ नजर आ रहा है। इस घटना के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई थी। एक यात्री की शिकायत पर मनमाड़ लोहमार्ग पुलिस ने दो लोगों को अरेस्ट कर लिया है। इन्हें कोर्ट से 9 अक्टूबर तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजने का आदेश सुनाया है। लोहमार्ग पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को नांदेड़-मुंबई तपोवन एक्सप्रेस दोपहर 2 बजे औरंगाबाद से रवाना हुई। ट्रेन दोपहर 3 बजे जैसे ही दौलताबाद स्टेशन पर पहुंची डी-2 कोच में एक शख्स तलवार निकाल कर घुमाने लगा। उसे रोकने की कोशिश

करने वाले यात्री सतीश सराफ के साथ उसने धक्कामुक्की की। सतीश का आरोप है कि आरोपी जबरदस्ती उन्हें उनकी सीट से उठाना चाहता था। उसके साथ मारपीट भी की गई और तलवार के दम पर उसकी सीट छिनी गई। हालांकि, गनीमत यह रही कि इसमें सतीश को कोई चोट नहीं लगी। सतीश ने फोन से घटना की जानकारी मनमाड़ लोहमार्ग पुलिस को दी। ट्रेन जैसे ही मनमाड़ पहुंची दोनों लोगों को अरेस्ट कर लिया गया। सतीश सराफ की शिकायत पर पुलिस ने तलवार लहराने के मामले में जसपाल सिंह (27) और हरदीप सिंह (37) को अरेस्ट किया है। शनिवार को दोनों को औरंगाबाद पुलिस के हवाले कर दिया गया। दोनों से तलवार भी बरामद हुई है। दोनों पंजाब के रहने वाले हैं।

लापता महिला की तलाश

मुंबई, पूजा अरुण तिवारी नाम की 38 वर्षीय पिछले महीने की रात 8 बजे से लापता है महिला गौतम नगर झोपड़पट्टी में रहती थी। इस महिला की गुमशुदगी की शिकायत पवई पुलिस स्टेशन में दर्ज की गयी है। जिस किसी भी सज्जन को पूजा अरुण तिवारी (38) महिला नजर आये पवई पुलिस स्टेशन के नंबर 02225702690 या उनके पति अरुण प्रसाद तिवारी के मोबाइल नंबर पर 9594874485 संपर्क कर सकते हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

लव, सेक्स और...

इससे पहले भी ऐसे कई मामले देखे गए हैं जब कश्मीरी लड़कियों के साथ अफेयर की वजह से आतंकी सुरक्षाबलों के हत्थे चढ़े हैं। दरअसल, पाकिस्तान से आने वाले अधिकतर आतंकवादी छोटे परिवारों से होते हैं। ये आतंकवादी अपनी बंदूक का इस्तेमाल कर के कश्मीरी लड़कियों को इंप्रेस करने की कोशिश करते हैं और अपने हितों को पूरा करने के लिए उनपर दबाव डालते हैं, लेकिन किसी के साथ कभी ईमानदार नहीं रहते। ऐसे में मौजूदा प्रेमिकाओं के अलावा आतंकवादियों द्वारो छोड़ी गईं बीवियां या प्रेमिकाएं बदला लेने के मकसद से सुरक्षा एजेंसियों के लिए मुखबिरी का काम करती हैं। सुरक्षा एजेंसियां भी ऐसी लड़कियों की पहचान कर, उनसे संपर्क करने की कोशिश में जुटी रहती हैं।

गोधरा कांड पर हाई कोर्ट का फैसला

हाई कोर्ट ने एसआईटी की विशेष अदालत की ओर से आरोपियों को दोषी ठहराए जाने और बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली अपीलों पर यह फैसला सुनाया। 2011 में एसआईटी कोर्ट ने 11 को फांसी और 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने इस मामले में 63 आरोपियों को बरी किया था। ट्रायल कोर्ट में दोषी ठहराए गए इन आरोपियों का कहना था कि उन्हें न्याय नहीं मिला है और उन्होंने हाई कोर्ट में अपील की थी। साल 2002 में हुई इस घटना की न्यायिक प्रक्रिया में सेशन कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक शामिल रहे। पिछले 15 साल से चले आ रहे मामले ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। 27 फरवरी 2002 को गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती ट्रेन के एस-6 कोच में लगी आग में 59 कारसेवकों की मौत हो गई। इस मामले में करीब 1500 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। बताया जाता है कि इस ट्रेन में भीड़ ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। गोधरा कांड की जांच कर रहे नानवटी आयोग ने भी ऐसा ही माना। इसके बाद प्रदेश में सांप्रदायिक दंगे भड़के और उसमें 1200 से अधिक लोग मारे गए। जनवरी 2005 में केस की जांच कर रही यूसी बनर्जी समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया कि एस-6 में लगी आग एक दुर्घटना थी। समिति ने इस बात की आशंका को खारिज किया कि आग बाहरी तत्वों द्वारा लगाई गई थी। 13 अक्टूबर 2006 को गुजरात हाई कोर्ट ने यूसी बनर्जी समिति को अमान्य करार देते हुए उसकी रिपोर्ट को भी ठुकरा दिया। उसके बाद 2008 में एक जांच आयोग बनाया गया और नानावटी आयोग को जांच सौंपी गई जिसमें कहा गया था कि आग दुर्घटना नहीं बल्कि एक साजिश थी। इसी साल गुजरात में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने अभियान की शुरूआत कर दी है। बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने गुजरात गौरव यात्रा तो वहीं दूसरी ओर राहुल गांधी ने नवसृजन यात्रा के जरिए चुनावी बिगुल बजाया। माना जा रहा है कि गोधरा कांड पर आने वाले फैसले का असर निश्चित तौर पर राजनीति पर भी पड़ेगा।

पटाखा बैन से लाखों कामगार...

शिवकाशी का पटाखा उद्योग 7 हजार करोड़ रुपये का है और देश के कुल पटाखा उद्योग में इसकी हिस्सेदारी 85 प्रतिशत है। पटाखा बैन से पटाखा उद्योग को करीब 1,000 करोड़ रुपये का घाटा हो सकता है। तमिलनाडु के इस छोटे से शहर में पटाखा बनाने वाले सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से नाराज और डरे हुए हैं। उन्हें डर इस बात का है कि दिल्ली में पटाखा बैन के बाद अन्य राज्य भी ऐसा आदेश न जारी कर दें। शिवकाशी में पटाखा उद्योग से सीधे तौर पर करीब 3 लाख वर्कर जुड़े हुए हैं वहीं यह उद्योग 5 लाख वर्कर्स को अप्रत्यक्ष रूप से काम देता है। पटाखा बनाने वालों का कहना है कि दिवाली के समय ही उन्हें सबसे अधिक प्रॉफिट होता है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले से कई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स पूरी तरह से खत्म हो जाएंगी।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 7

जब कूपर अस्पताल में लिखी गई मानवता की नई इबारत

अमूमन लोग अथवा कोई निजी संस्था सरकारी विभागों और सरकारी प्रतिष्ठानों के नाम पर उससे किनारा करने होने की फिराक में रहते हैं। ऐसे में अगर कोई निजी संस्था सरकारी प्रतिष्ठान में जाकर वहां के जरूरत मंदों की सेवा करे और सरकारी प्रतिष्ठान की प्रशंसा खुले दिल से करे तो आश्चर्य अवश्य होता है। ऐसा ही नजारा पिछले रविवार आठ अक्तूबर 2017 को मुंबई के जाने माने अस्पताल **कूपर अस्पताल** में देखने को मिला जहां मुंबई की कई जानी मानी हस्तियां मरीजों की सेवा में लगी थीं और उन्हें अपने हाथों से जूस, फल और बिस्कुट खिला रही थी। उनसे उनका हाल चाल पूछ रहे थे। सचमुच यह नजारा देखने लायक था। बेशक इसका श्रेय **दैनिक मुंबई हलचल** के संपादक और हरदिलअजीज समाजसेवी दिलशाद एस खान, सुंदरी ठाकुर और अजय एल. दूबे को जाता है, जिनके अथक प्रयास से मुंबई की दो नामचीन संस्थाएं नारी सम्मान संघटन और बेटी बचाओ-बेटी पढाओ को एक साथ जोड़ा गया और इन्हें एक साथ एक प्लेटफार्म पर काम करने के लिए प्रेरित किया। जिसका स्पष्ट प्रभाव आज देश, समाज और मुंबई के सामने है। कूपर अस्पताल के मरीजों के बीच फल, जूस और बिस्कुट वितरित करने के बाद नारी सम्मान संघठन की अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर के चेहरे पर संतोष के भाव थे। बेटी बचाओ बेटी पढाओ के अध्यक्ष काफी भाव विह्वल थे। सुंदरी ठाकुर ने अपने बयान में कहा कि कूपर अस्पताल के मरीजों की सेवा करके उन्हें जिस तरह का सुकून मिला है उसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है। अजय एल दूबे ने कहा कि कूपर अस्पताल आकर उन्होंने कोई गलती नही की। क्योंकि कूपर अस्पताल के स्वच्छ वातावरण से मैं बहुत प्रभावित हुआ हूं। सुंदरी ठाकुर ने भी कहा कि कूपर अस्पताल की तारीफ में कई बयान दिए। समाज सेवी एवं मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस खान ने सुंदरी ठाकुर एवं अजय एल दूबे की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि हमें खुशी है कि यह संस्थाएं और यह हस्तियां एक मंच पर एक प्लेटफार्म पर आकर समाज हित में कार्य कर रहे हैं। इससे लोग प्रेरणा लेंगे और समाज में भाई चारे के एक नए युग का सूत्रपात होगा। इस कार्यक्रम में सुंदरी ठाकुर, अजय एल दूबे और दिलशाद एस खान के अलावा आदिल कुरैशी (समाजसेवक और बिजनेस मैन), कार्यसम्राट विधायक असलम शेख की बहन कमर जहां एम. सिद्दिकी (म्युनिसिपल कॉन्सिलर वार्ड नं.३४ और मेम्बर स्टॅनडिंग कमिटी), मोहम्मद उस्मान खान (मुस्लिम सेवा संघ, जनरल सेक्रेटरी, महाराष्ट्र और सचिव, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, महाराष्ट), आबिद खान (समाजसेवक और कॉन्ट्रेक्टर), नगमा खान, आदिल खान, शहबाज खान, मोहसिन खान और नफीस सय्यद व अन्य कई प्रमुख थे जो सुंदरी ठाकुर व अजय एल. दूबे तथा दिलशाद एस. खान के इस मानव कल्याण कार्य के साक्षी बनें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

दिल्ली में नाइजीरियन को पोल से बांधकर डंडों से पीटा, चोरी करने का शक था

नई दिल्ली। मालवीय नगर इलाके में एक नाइजीरियन युवक को पोल से बांधकर डंडों से बुरी तरह पीटा गया। घटना का एक वीडियो सामने आया है। खबर के मुताबिक, ये वीडियो 24 सितंबर का है। इस नाइजीरियन पर चोरी करने का शक था। वीडियों में नाइजीरियन युवक के पैर रस्सी के जरिए पोल से बंधे हुए हैं। पहले एक लोकल युवक ने नाइजीरियन के पैर पकड़कर उठाए और दूसरे लोकल शख्स ने डंडों से बुरी तरह पीटा। इसके बाद एक और युवक ने बेतहाशा नाइजीरियन पर डंडों की बरसात कर दी। वीडियो में कुछ आवाजें ऐसी भी आ रही हैं, जिनमें नाइजीरियन की पिटाई ना करने को कहा जा रहा है। लेकिन, ये युवक रुके नहीं और बुरी तरह नाइजीरियन युवक को पीटा। इसी साल मार्च में ग्रेटर नोएडा के अंसल प्लाजा मॉल में भीड़ ने एक नाईजरियन युवक को बुरी तरह पीटा था। इस घटना के दिन ही ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में कैब से जा रही नाइजीरियन लड़की पर हमला किया गया था।

इंडियन को किडनैप करने का शक था

ग्रेटर नोएडा में हुए हमले के पीछे एक इंडियन लड़के को किडनैप करने का शक था। पुलिस ने बताया था कि ग्रेटर नोएडा की एनएसजी सोसाइटी में रहने वाला 12वीं क्लास का स्टूडेंट मनीष खारी (20 साल) 25 मार्च को अचानक गायब हो गया। इसे लेकर लोगों ने कासना थाने में हंगामा किया। फैमिली का आरोप था कि नाइजीरियन्स ने मनीष को किडनैप कर लिया। फैमिली के मुताबिक, अगले दिन सुबह मनीष घर पहुंचा तो उसे खून की उल्टी हुई। वो काफी नशे में था, बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता किरणपाल सिंह ने शिकायत में बताया था कि उनकी सोसाइटी के ही 5 नाइजीरियन्स ने नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर बेटे को किडनैप किया और मार डाला।

नाईजीरिया की सरकार ने जताई थी चिंता

ग्रेटर नोएडा में नाईजीरियन नेशनल्स पर हमले की घटनाओं पर नाईजीरियाई सरकार ने चिंता जाहिर की थी। नाइजीरियन गवर्नमेंट ने दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे रिश्तों का हवाला दिया था। यह मामला संसद में उठ चुका है।

सुषमा स्वराज ने मांगी थी रिपोर्ट

ग्रेटर नोएडा में नाइजीरियन स्टूडेंट्स पर हमले की घटनाओं के बाद सुषमा स्वराज ने यूपी सरकार से रिपोर्ट मांगी थी। सुषमा ने सीएम योगी आदित्यनाथ से फोन पर भी बात की। योगी ने उन्हें फेयर इन्क्वायरी का भरोसा दिलाया था।

'भाजपा गरीबी, महंगाई व बेरोजगारी के मामले में फेल'

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने केंद्र तथा उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार को हर मोर्चें पर फेल बताया है। मायावती लखनऊ में पार्टी के संस्थापक कांशीराम की पुण्य तिथि पर बसपा कार्यालय में सभा को संबोधित कर रही थीं। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर आज लखनऊ में बसपा कार्यालय में पार्टी की मुखिया मायावती ने उनको श्रद्धांजलि देने के साथ ही कार्यकताओं को भी संबोधित किया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांशीराम को भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार फेल है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश तथा प्रदेश में गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर फेल हो गयी है। मायावती ने कहा कि भाजपा ध्यान बंटाने के लिए राष्ट्रधर्म व देशभक्ति जैसे मुद्दों को उभारने का प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि आज देश में रोजी-रोटी, महंगाई, आत्म-सम्मान और सुरक्षा पहली आवश्यकता है। दलित के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग के महापुरुषों के स्मारकों की उपेक्षा हो रही है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि सरकार न बनने से सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की नीति को आघात पहुँच रहा है। भाजपा तो बेहद प्रचलित मुहावरे मुंह में राम और बगल में छुरी के चरितार्थ कर रही है।

जय शाह की कंपनी में 51 करोड़ की राशि विदेशों से लगी : राज बब्बर

लखनऊ। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के बेटे जय अमित शाह की कंपनी को लेकर कांग्रेस काफी गरम है। लखनऊ में आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राज बब्बर ने प्रेस कांफ्रेंस में अमित शाह के बेटे की कंपनी पर गंभीर आरोप जड़ा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष ने आज लखनऊ में मीडिया को संबोधित किया। राज बब्बर ने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के बेटे जय शाह की कंपनी के मामले को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इसके साथ ही राज बब्बर ने जय शाह की कंपनी को लेकर भी कई सवाल उठाये। राज बब्बर ने कहा कि सत्ता के दबाव के कारण ही जय शाह की कंपनी

को बेजा लाभ दिया गया। उनकी कंपनी को कई इनसिक्योर लोन दिए गए। राज बब्बर ने कहा कि कालूपुर कॉपरेटिव बैंक ने 25 करोड़ का ऋण मात्र छह करोड़ की संपत्ति गिरवी रखवाकर दिया है। उन्होंने कहा कि कुसुम फाइनेंशियल भी जय शाह की है। अमित शाह के बेटे की कंपनी के साथ ही कई अन्य इनसिक्योर लोन दिए गए हैं। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या आरबीआइ के नियम यह कहते है कि छह करोड़ की संपत्ति रख कर 25 करोड़ का ऋण दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि क्या कारण था कि, जय शाह को 19 करोड़ का इन सिक्योर लोन दिया गया। राज बब्बर का आरोप है कि जय शाह की कंपनी में विदेशों से भी बड़ी धनराशि आई है। जय शाह की कंपनी में 51 करोड़ की राशि विदेशों से आई है। उन्होंने कहा कि किसी को भी पता नहीं है कि टेम्पल इंटर प्राइजेज कौन सा कारोबार करती है। इसके साथ ही कोई यह नहीं बता पा रहा है कि इस कंपनी को आखिर 2016 में क्यों बंद करना पड़ा।

बिहार कांग्रेस कार्यालय बना अखाड़ा

अंदर हुई बैठक बाहर चले लात-घूंसे

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस में मचे घमासान के बाद आज सदाकत आश्रम में राज्य प्रतिनिधियों का सम्मेलन बुलाया गया है जिसमें भाग लेने पार्टी ऑफिस पहुंचे कांग्रेस नेताओं कार्यकताओं के बीच जमकर मारपीट हुई। सदाकत आश्रम के अंदर व बाहर जमकर हंगामा हुआ और इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौधरी के साथ धक्का-मुक्की भी की गई, जबकि उनके समर्थकों के कपड़े भी फाड़ दिये गये। हंगामे के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय सदाकत आश्रम पुलिस छावनी में परिवर्तित हो गया है। राज्य प्रतिनिधियों के सम्मेलन में भाग लेने सदाकत आश्रम पहुंचे कांग्रेस नेताओं कार्यकताओं के बीच जमकर मारपीट हुई है, कांग्रेस के नाराज कार्यकताओं ने प्रवेश द्वार पर रोक लगाये जाने के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पीएम नरेंद्र मोदी के समर्थन में नारे लगाये। इस दौरान अशोक चौधरी के साथ ही उनके गुट के नेताओं व कार्यकताओं के साथ धक्का-मुक्की गयी। बढ़ते बवाल के मद्देनजर सदाकत आश्रम के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गयी है। सूचना के मुताबिक हंगामे के मद्देनजर आश्रम के अंदर मीडिया कर्मियों के प्रवेश पर रोक लगा दी गयी है। मिली जानकारी के मुताबिक पार्टी नेताओं के बीच मचे महाभारत में गेट से सिर्फ कादरी गुट के नेताओं को अंदर जाने की ही इजाजत दी गई, चौधरी गुट के नेताओं को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली, जिसके बाद जमकर बवाल मचा और कई नेता आपस में भिड़ गए। बता दें कि महागठबंधन टूटने के बाद कांग्रेस अपने अंदरूनी कलह से जूझ रही है। इस बीच कौकब कादरी के प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद रोजाना कोई न कोई बयानबाजी हो रही है। एक ओर अशोक चौधरी अपने अभियान में लगे हुए हैं तो वहीं कार्यकारी अध्यक्ष से ज्यादातर विधायक नाराज चल रहे हैं। पार्टी में अशोक चौधरी के गुट वाले विधायक कोई बयान भले न दें, लेकिन अंदर ही अंदर कादरी से पूरी तरह अलग चल रहे हैं। उधर, कादरी का कहना है कि पार्टी के भीतर किसी भी तरह का कोई विवाद नहीं है।

बिना वीजा के भी घूम सकते हैं ये खूबसूरत देश

विदेश में घूमने जाना हर किसी का सपना होता है लेकिन लोगों के पास पासपोर्ट तो होता है लेकिन उस पर वीजा लगवाना बहुत मुश्किल होता है। ऐसे में उनका विदेश में घूमने जाने का सपना ही रह जाता है लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे देश भी हैं जहां घूमने के लिए वीजा की जरूरत नहीं पड़ती। आइए जानिए ऐसे ही कुछ देशों के बारे में

अंटार्कटिका

अंटार्कटिका एक ऐसा देश है जहां जाने के लिए वीजा की जरूरत नहीं पड़ती। यहां घूमने के लिए साउथ शेटलैंड आइसलैंड, रोस आइसलैंड और लेक वोस्टोक जैसी कई खूबसूरत जगहें हैं।

कंबोडिया

दक्षिण-पूर्वी एशिया में बसा कंबोडिया देश में भी बिना वीजा के घूम सकते हैं। यहां घूमने लायक कई खूबसूरत जगहें हैं जैसे सीप रीप और कोह रंग आइसलैंड।

फिजी

पैसिफिक ओशियन पर बसा यह एक आइसलैंड देश है। इस देश में आप नादी, सूवा राजधानी और लाबासा जैसी खूबसूरत जगहों पर घूमने का मजा ले सकते हैं।

बोलीविया

साउथ अमेरिका के इस देश में भी घूमने के लिए वीजा की जरूरत नहीं पड़ती। इस खूबसूरत देश में घूमने के लिए ला पाज, टूपिजा और कई ऐसी ही जगहें हैं।

थाईलैंड

थाईलैंड दुनिया में 51 सबसे बड़े देशों में से एक है। इस देश में भी बिना वीजा के बैंकॉक, पताया और क्राबी जैसी शानदार जगहों पर जा सकते हैं।

मकाउ

चीन के इस शहर में भी वीजा के बिना जा सकते हैं। मकाउ को दुनिया का सबसे अमीर शहर माना जाता है। यहां घूमने के लिए टॉवर और गैलेक्सी मकाउ जैसी कई खूबसूरत जगहें हैं।

नेपाल

नेपाल बहुत ही खूबसूरत देश है। यहां घूमने लायक कई खूबसूरत जगहें हैं जैसे काठमांडू, पोखरा, पशुपतिनाश मंदिर और नगरकोट आदि।

इन अजीबोगरीब रास्तों को पार कर पाना है बड़ा ही मुश्किल

किसी भी जगह पर सड़कों का निर्माण इसलिए किया जाता है, ताि लोग उस जगहें पर आसानी से आवाजाही कर सकें। कुछ जगहों पर आज भी ऐसे खतरनाक रास्तें देखने को मिल जाते है जिनको पार करना हर किसी के बस की बात नहीं होती है। जो लोग एडवेंचर जा कुछ खतरनाक करना पसंद करते है उनके लिए तो यह रास्ते मनोरंजन का साधन है लेकिन कमजोर दिल वालों के लिए यह काफी खतरनाक साबित हो सकते है। आज हम आपको इन्हीं खतरनाक रास्तों के बारे में बताएंगे, जिनपर चल पाना हर किसी के बस का काम नहीं।

1. एल केमिनिटो डेल रे, स्पेन

यह रास्ता स्पेन के दक्षिणी क्षेत्र में यह 110 साल पुराना है। इसे किंग्स पाथ-वे के नाम से भी जाना जाता है। इस रास्तो को दो हाइड्रोइलेक्ट्रिक पॉवर प्लांट में काम करने के लिए आने -जाने वाले मजूदूरों के लिए बनाया गया था। हालाकि बताया जाता है कि अब इस रास्ते को बंद कर दिया गया।

2. हुशान क्लिफसाइड पाथ, चीन

यह शानक्सी प्रांत के क्विनलिंग माउंटेन्स के पूर्वी छोर पर स्थित है। यहां दो पैदल मार्ग हुशान की उत्तरी चोटी (1614 मीटर) के लिए है। सरकार ने कई सुरक्षा के इंतजाम किए हैं, लेकिन हर साल कई दुर्घटनाएं **लगातार हो रही हैं।**

3. रोच वेयरांड, फ्रांस

फ्रांस में कई रास्ते ऐसे है जो पहले तो सीधे लगते है लेकिन आगे चलकर कठिन होते जाते है। इन्हीं रास्तों में रोच वेयरांड भी है।

हैरिटेज कल्चर का खजाना है मध्य प्रदेश के ये खूबसूरत शहर

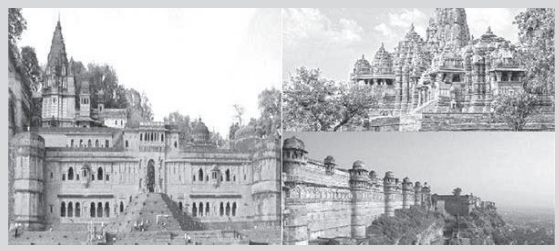

मध्य प्रदेश को भारत का सबसे ऐतिहासिक देश माना जाता है। मंदिरों और हैरिटेज जगहों से भरपूर इस देश को भारत का सबसे खूबसूरत सिटी माना जाता है। आज हम आपको मध्य प्रदेश की सिटीज में मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहें है। आइए जानते है मध्य प्रदेश की कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में।

1. खजुराहो

खजुराहो के मंदिरों की खूबसूरती देखने के लिए हर साल कई टूरिस्ट आते है। यहां की मूर्तियों को बड़ी ही बारिकी से तराशा गया है। यहां के खूबसूरत मंदिर अब यूनेस्को की विश्व धरोहर बन चुके है।

2. मांडू

प्राचीन झीलों, नहरों और सुंदर बगीचे के बीच से सजे इस शहर की जितनी तारिफ की जाए कम है। कहा जाता है कि यहां के इस महल में राजकुमार बाज बहादुर और रानी रूपमती रोमांटिक गाने गाया करते थें।

3. मेश्वर

मेश्वर की नर्मदा नदी के किनारे बना यह महल मध्य प्रदेश की सबसे अनोखी विरासतों स्थलों में से एक है। यह प्राचीन मंदिर रामायण और महाभारत के समय से मौजूद है।

4. ओरछा

बेतवा नदी के तट पर बने इस महल में आपको भारत के महाराजाओं की झलक देखने को मिलती है। बुदंलखंड की राजधानी के इस महल में आप राजाओं ऐशों आराम की झलक देख सकते है।

5. ग्वालियर

मध्य प्रदेश का राजधानी ग्वालियर में बना ये महल अद्भुत कला और संस्कृति की मेजबानी करता है। इस विशाल पहाड़ी किले को देखने के लिए हर साल कई टूरिस्ट आते है।

6. भोपाल

इस शहर को झीलों के शहर के तौर पर भी जाना जाता है। इस महल में 500 से अधिक गुफाओं की पेंटिग का विवरण दिया गया है। पहाड़ी के उपर बने इस महल की खूबसूरती को देख कर आप भी हैरान हो जाएंगे।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष

शुभ समाचार मिलेंगे। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कर्ज आसानी से प्राप्त होगा।

वृष

परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा।

मिथुन

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। अपेक्षाकृत कार्य नहीं होंगे। कुसंगति से हानि होगी।

कर्क

घर-बाहर अशांति रह सकती है। बकाया वसूली होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। भूमि विवाद की आशंका रहेगी।

सिंह

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आजीविका के क्षेत्र में उन्नति होगी।

कन्या

राजकीय बाधा संभव है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। यात्रा में सावधानी रखें।

तुला

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हानि संभव है।

वृश्चिक

बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। प्रसन्नता बढ़ेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

धनु

भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। विरोध होगा। दुष्टजन सक्रिय रहेंगे। कार्य बनने से हर्ष रहेगा।

मकर

पुराना रोग उभर सकता है। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

कुंभ

शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम न उठाएं। भागदौड़ अधिक होगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। शांति रखें।

मीन

प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन प्राप्ति के नए द्वार खुल सकते हैं। शत्रु परास्त होंगे। चिंता रहेगी। आवेश पर नियंत्रण रखें।

इस अजीबोगरीब आइलैंड में हर साल होती है केकड़ों की बारिश

बारिश की बूदों का मजा लेने के लिए तो हर कोई तैयार रहता है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के एक आइलैंड पर पानी की नहीं बल्कि केकड़ों की बारिश होती है। इस जगह के बारे में जानकर हर कोई हैरान रह जाता है। आइए जानते है इस अजीबोगरीब आइलैंड के बारे में।

ऑस्ट्रेलिया के क्रिसमस द्वीप पर हर साल कम से कम 12 करोड़ केकड़ो की बारिश होती है। यह दुनिया अकेला ऐसा आइलैंड है जो रातों रात लाल रंग में तबदील हो जाता है। केकड़ों का बारिश होने के बाद हर घर से लेकर सड़क तर पर केकड़े ही नजर आते है।

इस आइलैंड के जंगल, घर, रेस्तरां, बार, बस स्टॉप, सड़कें और बाकी जगहों पर भी केकड़े ही नजर आते है। ये केकड़े हर साल प्रजनन प्रकिया के दौरान क्रिसमस द्वीप के एक छोर स्थति

जंगल से दूसरे छोर स्थति भारतीय महासागर तक जाते है। जिसके कारण हर जगह सिर्प केकड़े ही नजर आते है।

सड़को पर हर जगह फैले होने के कारण वाहनों के नीचे आकर कई केकड़ो की मौत भी हो जाती है। हालांकि सरकार ने केकड़ो की मौत के लिए सख्त कदम उठाए है लेकिन इतनी तदात ज्यादा होने के कारण कई केकड़े मर ही जाते है। हर साल इस बारिश को देखने के लिए कई टूरिस्ट भी इकट्ठे हो जाते है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

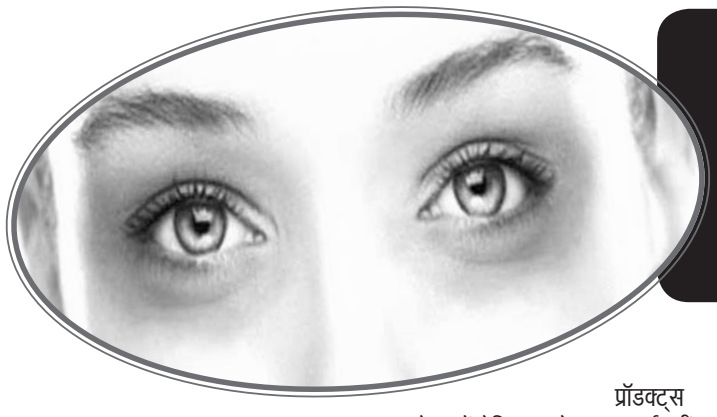

डार्क सर्कल से छुटकारा दिलाएंगे ये असरदार तरीके

आंखें शरीर का सबसे खूबसूरत और जरूरी अंग हैं। इनसे ही हम ये सारी खूबसूरत दुनिया देख सकते हैं लेकिन कुछ महिलाओं की आंखों के नीचे डार्क सर्कल हो जाते हैं जिससे चेहरे की खूबसूरती खराब हो जाती है। वैसे तो डार्क सर्कल को दूर करने के लिए मार्किट में कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स मौजूद हैं लेकिन इनसे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय करके डार्क सर्कल से छुटकारा मिल सकता है। आइए जानिए आंखों के काले घेरों के कारण और घरेलू उपायों के बारे में

कारण
- नींद पूरी न होना
- ज्यादा समय तक कम्पयूटर पर काम करना
- अधिक टीवी देखना
- ज्यादा धूम्रपान करना
- तनाव लेना

डार्क सर्कल को दूर करने के घरेलू उपाय

1. टमाटर
डार्क सर्कल को दूर करने के लिए टमाटर बहुत ही फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए टमाटर के रस में नींबू की कुछ बूंदे मिलाकर आंखों के नीचे लगाएं और कुछ देर बाद धो लें। एक हफ्ता लगातार इसका इस्तेमाल करने से काले घेरे से छुटकारा मिलेगा।

2. आलू
इसके लिए आलू के रस में नींबू की कुछ बूंदे डालें और इसे आंखों के नीचे कुछ देर के लिए लगा कर रखने से फायदा होगा।

3. टी-बैग
डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए टी-बैग्स को कुछ देर के लिए ठंडे पानी में भिगो कर रखें और फिर इन्हें अपनी आंखों पर रख कर लेट जाएं। 10 मिनट के बाद इन्हें आंखों से हटा लें। कुछ दिन तक लगातार ऐसा करने से डार्क सर्कल दूर होंगे।

4. ठंडा दूध
इसके लिए कच्चे दूध को ठंडा कर लें और फिर कॉटन की मदद से इसे आंखों के नीचे लगाएं। सूखने के बाद आंखों को धो लें। दिन में 2 बार ऐसा करने से आंखें साफ हो जाएंगी।

5. संतरे के छिलके
इसके लिए संतरे के छिलकों को सूखाकर पाउडर बना लें। अब इसमें गुलाब जल मिलाकर पेस्ट तैयार करें और आंखों के नीचे लगाएं जिससे डार्क सर्कल दूर होंगे।

इन 5 गलतियों के कारण लोग हो रहे हैं गंजेपन का शिकार

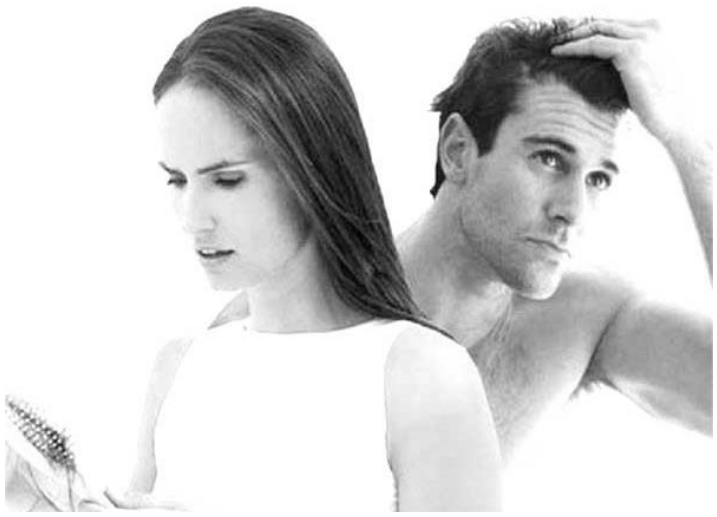

इस मॉडर्न लाइफस्टाइल में लोगों में गंजेपन की समस्या बहुत देखी जाती है। ज्यादातर यह प्रॉब्लम पुरूषों में पाई जाती है। गलत खान-पान और अपने बालों की सही देखभाल न करने की वजह से यह बाल झड़ने लगते हैं और धीरे-धीरे गंजापन शुरू हो जाता है लेकिन बालों के झड़ने के सिर्फ यही कारण ही नहीं बल्कि जाने-अनजाने में की गई कुछ गलतियों की वजह से भी गंजापन हो जाता है। आइए जानिए लोगों की कौन-सी गलतियां उनके बालों को नुकसान पहुंचाती हैं।

1. कंघी न करना
महिला हो या पुरूष रात को सोने से पहले उन्हें एक बार कंघी जरूर करनी चाहिए ताकि बालों में पड़ी हुई उलझनें निकल जाएं और वे टूटे नहीं। कंघी न करने की वजह से सुबह बालों में ज्यादा उलझन पड़ जाती है और कंघी करते वक्त बाल जड़ से कमजोर होकर टूटने लगते हैं।

2. गुनगुने पानी से बाल धोना
ठंड के मौसम में अक्सर लोग गुनगुने पानी से नहाते हैं और बाल धोते हैं। ऐसा करने से बाल जड़ों से कमजोर हो जाते हैं और झड़ने शुरू हो जाते हैं।

3. ब्लो ड्रायर से बाल सुखाना
अक्सर महिलाएं गीले बालों को सुखाने के लिए ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल करती हैं। हर बार बाल धोने के बाद ड्रायर का इस्तेमाल करने से बालों को नुकसान होता है और वे कमजोर हो जाते हैं।

4. टॉवल का इस्तेमाल
बाल धोने के बाद कुछ महिलाएं तौलिए से बालों को कसकर बांध लेती हैं जिससे बाल जड़ से कमजोर हो जाते हैं।

5. बालों को न ढकना
धूॉप में निकलने से पहले बालों को कपड़े से ढकना बहुत जरूरी है। न ढकने की वजह से धूप में बाल ड्राई और बेजान हो जाते हैं।

खूबसूरती पाने के लिए खुद को दें सिर्फ 5 मिनट

सारा दिन काम में व्यस्त होने के चलते महिलाएं अपनी ओर ध्यान ही नहीं दे पाती। जिससे चेहरे की खूबसूरती डल हो जाती है। धीरे-धीरे इससे चेहरे की परेशानियां बढ़ती जाती है। खूबसूरत दिखने के लिए आपने से दिन में सिर्फ 5 मिनट अपनी स्किन की केयर जरूर करें। जिससे अपके चेहरे का निखार दिनों-दिन बढ़ता जाएगा।

शहद
शहद से चेहरे का नैचुरल ग्लो बढ़ता जाता है। चेहरे पर शहद का लेप लगाकर इसे सूखने दें। इसके बाद इसे हल्के हाथों से साफ करें और गुनगुने पानी से फेस को धो लें। इससे चेहरे पर ग्लो के साथ-साथ फेस पर कसाव भी आएगा।

चॉकलेट
खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ चॉकलेट चेहरे के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। चॉकलेट पैक बनाने के लिए 1 टेबसल्पून कोको पाउडर, 2 टेबलस्पून शहद,थोडा सा मक्की का आटा और 1 टीस्पून एवोकाडो का पेस्ट डालकर सारी चीजें अच्छे से मिक्स कर लें। इसे चेहरे पर लगाकर सूखने दें और फिर पानी से धो लें। इससे त्वचा कोमल और मुलायम हो जाएगी।

कुदरती तरीके से हटाएं चेहरे के अनचाहे बाल

चेहरे पर अनचाहे बाल हो तो इससे खूबसूरती पर भी असर पड़ता है। इनको हटाने के लिए औरतें वैक्सिंग का भी सहारा लेती हैं लेकिन इससे असहनीय दर्द होता है और कई बार तो स्किन से जुडी बहुत सी समस्याएं भी हो जाती हैं। त्वचा का ढीला होना, रैशेज आदि। इन अनचाहे बालों को हटाने का बैस्ट तरीका है कि कुदरती उपायों को अपनाया जाए। जिससे न तो कोई दर्द होगी और न ही ज्यादा खर्च।

1. अंडा
फेशियल हेयर को हटाने के लिए 1 अंडे का इस्तेमाल करें। 1 अंडे के सफेद भाग में थोड़ा सा कॉर्न स्टार्च और चीनी मिला लें। इसे अच्छे से मिक्स करके पैर तैयार कर लें। इस पेस्ट को 15-20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं और सूखने दें। बाद में पानी से साथ हल्के हाथों से रगड़ते हुए साफ करें।

2. नींबू और शहद
नीबू और शहद कुदरती वैक्सिंग का काम करता है। 2 टेबलस्पून चीनी, 1 टीस्पून शहद और आधे नींबू का रस इन सबको अच्छे से मिला लें। इसमें आप थोड़ा सा पानी भी मिला सकते हैं। इस गाढ़े पेस्ट को चेहर पर 15 मिनट के लिए लगाएं। इसे बाद पानी से साफ धो लें।

3. आलू और बेसन
आलू के रस में बेसन मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसमें आधा चम्मच नींबू का रस और थोड़ा सा शहद मिक्स करके पेस्ट तैयार कर लें। इसे पूरे चेहरे पर लगाए और सूखने पर धो लें।

4. पपीता और हल्दी
पपीते और हल्दी को मिलाकर पैक तैयार कर लें और इसे चेहर पर अप्लाई करें। सूखने पर पानी से धो लें। इससे चेहर के अनचाहे बाल धीरे-धीरे हटने शुरू हो जाएंगे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, मंगलवार
10 अक्टूबर, 2017

बीसीसीआई की चेतावनी, आईजेपीएल टी20 जैसी लीग से दूर रहें खिलाड़ी वरना कड़ी कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों को ऐसे टूनार्मेंट्स में नहीं खेलने की चेतावनी दी है जिन्हें उसकी मान्यता प्राप्त नहीं। बीसीसीआई ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इंडियन जूनियर प्रीमियर लीग (आईजेपीएल) और जूनियर इंडियन प्लेयर लीग (जेआईपीएल) जैसे जूनियर लीग को उनकी मान्यता नहीं है और इस तरह के अस्वीकृत टूनार्मेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आईजेपीएल टी20 पिछले महीने 19 से 29 सितंबर तक दुबई में खेला गया था। बीसीसीआई ने यह भी साफ किया कि गौतम गंभीर जैसे खिलाड़ी ने भी अस्वीकृत आईजेपीएल टी20 से अपना समर्थन वापस ले लिया है। बीसीसीआई ने कहा, हमें पता चला है कि आईजेपीएल

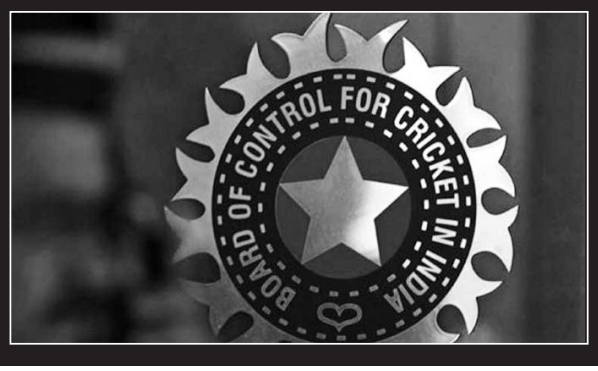

और जेआईपीएल के नाम से कुछ टी-20 मैच, सीरीज, टूनार्मेंट या शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। आपको ये सूचित किया जाता है कि आईजेपीएल और जेआईपीएल के नाम से होने वाली लीग को बीसीसीआई और आईपीएल न तो आयोजित कर रही है ना ही वे हम से जुड़े हुए हैं। हमने उन्हें मान्यता भी नहीं दी है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई में पंजीकृत कोई भी खिलाड़ी अगर आईजेपीएल और जेआईपीएल जैसे लीग मैचों में हमारी सहमति के बिना जुड़ता है तो वह बीसीसीआई के नियमों और नियमों की अवहेलना होगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के लीग का समर्थन करने वाले गौतम गंभीर, ऋषि धवन और पारस डोगरा जैसे खिलाड़ियों ने इससे अपना नाम वापस ले लिया है।

अश्विन-जडेजा की जगह लेने का सवाल ही पैदा नहीं होता: कुलदीप

गुवाहाटी। 'स्पिन सनसनी' के तौर पर कुलदीप यादव ने भले ही अपनी पहचान बना ली हो, लेकिन उनका कहना है कि वह भारतीय टीम में रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की जगह लेने के बारे में नहीं सोच रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो स्पिनरों को उतारने की भारत की रणनीति कारगर साबित हुई है। कुलदीप और युजवेंद्र चहल वनडे सीरीज में भारत की 4-1 से जीत में सूत्रधार रहे, जबकि मौजूदा टी-20 सीरीज का पहला मैच जीतकर भारत 1-0 से आगे है। कुलदीप ने दूसरे टी-20 से पहले गुवाहाटी में कहा, 'मैं इतना आगे की नहीं सोचता। अश्विन और जडेजा दोनों ही तीनों प्रारूपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते आए हैं। उनकी जगह

लेने का सवाल ही पैदा नहीं होता। हम अभी काफी युवा हैं और हमारे भीतर काफी क्रिकेट बाकी है।' उन्होंने कहा, 'मैं रहस्यमयी गेंदबाज नहीं हूं, जो अलग-अलग हाथों से गेंदबाजी करूं। दो-तीन साल बाद फिर बल्लेबाजों के लिए आपको खेलना आसान हो जाता है। यदि आपके बेसिक्स सही है, तो आपके लिए गेंदबाजी आसान हो जाती है।' कुलदीप ने कहा, 'मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई वीडियो समीक्षा करके आपकी गेंदों को भांपने की कोशिश करता है। यदि आप सही दिशा में विविधता के साथ गेंदबाजी करेंगे, तो बल्लेबाज परेशान होंगे ही। फिर चाहे उन्होंने कितनी ही वीडियो समीक्षा कर रखी हो।'

उन्होंने कहा कि आईपीएल में ऑस्ट्रेलिया के चाइनामैन गेंदबाज ब्रैड हॉग के साथ खेलकर उन्होंने काफी कुछ सीखा और वह अपने आदर्श शेन वॉर्न से भी लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, 'दोनों ने मेरे करियर में अहम भूमिका निभाई है। मैं बचपन से वॉर्न को आदर्श मानता रहा हूं। वह मेरे आदर्श हैं। यदि उनकी उपलब्धियों का 50 प्रतिशत भी मैं हासिल कर सका, तो मेरा जीवन सफल हो जाएगा।'

द. अफ्रीकी टीम ने रच दिया इतिहास

ब्लोमफेंटेन। तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा (10/63) की घातक गेंदबाजी की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में पारी और 254 रनों से शिकस्त देकर दो टेस्ट मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम की। रबादा ने दूसरी पारी में भी 30 रन पर पांच विकेट झटककर अपने टेस्ट करियर में विकेटों का आंकड़ा 100 के पार पहुंचाया। उन्होंने पहली पारी में 33 रन देकर पर पांच विकेट लिए थे। फालोऑन खेल रहा बांग्लादेश दूसरी पारी में मैच के तीसरे ही दिन 172 रन ढेर होकर मैच और सीरीज हार गया। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी चार विकेट पर 573 रनों पर घोषित की थी, जिसके जवाब में मेहमान टीम 147 रन ही बना सकी। यह दक्षिण अफ्रीका की

टेस्ट इतिहास में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2000/01 में श्रीलंका को पारी और 229 रनों से हराया था। इस मैच में 10 विकेट लेने वाले रबादा इस साल सर्वाधिक टेस्ट विकेट (54) हासिल करने वाले पहले गेंदबाज भी बने। रबादा ने अपने 102 विकेट 22 टेस्ट मैचों में हासिल किए। उन्होंने टीम सीनियर गेंदबाज चोटिल मॉर्नी मोर्केल, वर्नेरन फिलेंडर और डेल स्टेन की गैरमौजूदगी अच्छी जिम्मेदारी निभाई।

फ्रांस ने अंडर-17 विश्व कप में न्यू कैलेडोनिया को 7-1 से रौंदा

गुवाहाटी। मजबूत फ्रांस ने अंडर-17 विश्व कप में शानदार शुरूआत करते हुए ग्रुप 'ई' में पदार्पण मैच खेल रही न्यू कैलेडोनिया को 7-1 से मात देकर दमदार आगाज किया। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में बड़ी ताकत माने जाने वाले फ्रांस ने शुरूआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे हटने को मजबूर कर दिया। आश्चर्यजनक रूप से फ्रांस ने अपने सात में छह गोल पहले हाफ में किए। उसकी ओर से बर्नाड इवा ने खेल के पांचवें मिनट में पहला गोल दागा। एमिन गौइरी ने बीसवें मिनट में दूसरा गोल दागा, जिसके दस मिनट बाद क्लॉडियो गोम्स ने गोलकर फ्रांस की बढ़त 3-0 कर दी। इसके थोड़ी देर बाद ही गौइरी ने अपना दूसरा और फ्रांस का चौथा गोल किया। चालीसवें मिनट में मैक्सेन काक्वेरेट ने पांचवां गोलकर न्यू कैलेडोनिया की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

पीबीएल: स्टार शटलर सिंधु, सानिया, श्रीकांत पुरानी टीमों के साथ बरकरार

हैदराबाद। स्टार शटलर पीवी सिंधु और साइना नेहवाल को प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के लिए लगी बोली में पुरानी टीमों ने अपने साथ बनाए रखा है। टीम में बरकरार रखने वाले खिलाड़ियों को पिछले साल की तुलना में 25 प्रतिशत ज्यादा रकम दिए जाने का प्रावधान है, जबकि 'राइट टू मैच' कार्ड के इस्तेमाल से खरीदे गए खिलाड़ियों की फीस में 10 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। गत विजेता चेन्नई स्मैशर्स ने ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधु को 48.75 लाख रुपये में खरीदा। 22 साल की इस खिलाड़ी ने हाल ही ग्लास्गो में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। पिछले साल उनके लिए टीम ने

39 लाख रुपए खर्च किए थे। वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली साइना भी अवध वॉरियर्स टीम के साथ बनी रहेंगी। पिछली बार 33 लाख के मुकाबले इस बार उन्हें 41,25,000 रुपये मिलेंगे। इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो खिताब जीतने वाले श्रीकांत को अवध वॉरियर्स ने राइट टू मैच का इस्तेमाल कर 56,10,000 रुपये में टीम के साथ बरकरार रखा। युगल खिलाड़ियों में भारत के सात्विक साइराज, कोरिया के ली यंग डाइ और रूस के व्लादिमिर इवानोव भी पुरानी टीमों के साथ जुड़े रहे और बोली का हिस्सा नहीं बने। नियमों के मुताबिक पुरानी टीम एक खिलाड़ी को टीम के साथ बरकरार रखने के अलावा एक राइट टू मैच का इस्तेमाल कर सकती है। नई टीम पीबीएल में पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों में से राइट टू मैच के आधार पर एक खिलाड़ी को चुन सकती है, हर फ्रेंचाइजी में 11 खिलाड़ी होंगे, जिसमें अधिकतम पांच विदेशी खिलाड़ी और न्यूनतम तीन महिला खिलाड़ी होनी चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सनी ने करवाया हॉट फोटोशूट

करोड़ों दिलों की धड़कन सनी लियोन के इस साल के हॉट फोटोशूट की तस्वीरें सामने आई हैं। सनी ने ये फोटोशूट बेहद फेमस मैगजीन FHM के लिए कराया है। सनी के इंस्टा पर साढ़े दस मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं।

हाल ही में एक बच्ची को गोद लेने वाली 36 साल की इस अदाकारा ने साल के सबसे हॉट फोटोशूट में आग लगा दी है। फोटोशूट में तरह तरह ड्रैस पहने नजर आ रही है। जिसमें वह बेहद हॉट दिखाई दे रही हैं।

सनी की आने वाली फिल्मों में तेरा इंतजार और टोटल धमाल जैसी फिल्में शामिल हैं। बताते चलें कि सनी का ताल्लुक भारत से लेकर अमेरिका और कनाडा तक के साथ रहा है और उन्होंने पॉर्न से मेनस्ट्रीम सिनेमा तक और अकल्पनीय सफर तय किया है।

शाहरुख की फिल्म रईस में उन्होंने लैला ओ लैला आइटम सॉन्ग से ऐसा धमाल मचाया कि ये 2017 का सबसे हिट गाना बन गया।

अब ईशा का देसी अवतार

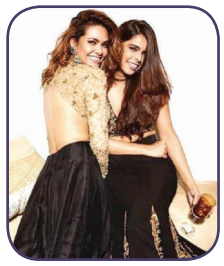

साल 2017 में इंस्टाग्राम पर अपनी बिकिनी वाली और न्यूड तस्वीरों से आग लगाने वाली ईशा गुप्ता ने ताजा तस्वीरें पोस्ट की हैं।इस बार अदाकारा ने इन तस्वीरों में देसी अवतार लिया है जिसमें वे अच्छी लग रही हैं। इस साल ईशा ने इस प्लेटफॉर्म पर सिलसिलेवार तरीके से जो तस्वीरें पोस्ट की हैं उससे उनकी फैन फॉलोइंग में गजब का इजाफा हुआ है। बताते चलें कि हाल ही में आई फिल्म बादशाहो की इस अदाकारा के इंस्टा पर दो मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं और ये संख्या निरंतर बढ़ रही है।

मलाइका ने बरपाया अपने हुस्न का कहर

साढ़े चार मिलियन से अधिक इंस्टा फैंस और फॉलोवर वाली मलाइका ने बेहद हॉट फोटोशूट करवाया है। यह बेहद फेमस फैशन मैगजीन GQ India के लिए कराया है। शूट समंदर किनारे किया गया है और आप देख सकते हैं कि समंदर में नहाकर नमकीन हुईं मलाइका कितनी हॉट लग रही हैं। सलमान खान की पूर्व भाभी मलाइका अरोड़ा ने यह बताया है कि हॉटनैस से आग लगाना किसे कहते हैं। 44 साल की मलाइका को देखकर उनकी उम्र का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है।वहीं आप ये भी अंदाजा नहीं लगा पाए होंगे कि मलाइका 14 साल के एक बेटे की मां हैं। सलमान खान के बड़े भाई अरबाज खान और मलाइका का इसी साल तलाक हो गया। दोनों का रिश्ता डेढ़ दशक से ज़्यादा का था। फिटनेस फ्रीक मलाइका बॉलीवुड के दिग्गज कोरियोग्राफर्स में शुमार हैं। वहीं उन्हें उनके मुन्नी बदनाम हुई और चल छैया छैया जैसे ऐतिहासिक आइटम सॉन्ग्स के लिए भी जाना जाता है।

फिल्म केदारनाथ की शूटिंग पूरी कर मुंबई लौटे सुशांत और सारा

एक माह से केदार घाटी में चल रही फिल्म केदारनाथ की शूटिंग पूरी हो गई है। मुख्य भूमिका सुशांत राजपूत और सारा अली खान हैं। रविवार को यूनिट मुंबई लौट गई। फिल्म वर्ष 2013 में आई केदारनाथ आपदा पर है। अब शेष दृश्य मुंबई में फिल्माए जाएंगे। फिल्म के निमार्ता-निर्देशक काइ पो चे फेम अभिषेक कपूर हैं। यूनिट से जुड़े अमित मेहता ने बताया कि तीस दिन तक केदार घाटी में केदारनाथ, त्रियुगीनारायण, गौरीकुंड, सोनप्रयाग और चोपता में शूटिंग की गई।इस दौरान त्रियुगीनारायण में केदारनाथ के प्रमुख पड़ाव रामबाड़ा का सेट तैयार किया गया। गौरतलब है कि आपदा में रामबाड़ा का नामोनिशान मिट गया था। यूनिट चार दिन केदारनाथ और दो दिन गौरीकुंड में रही। इसके अलावा सोनप्रयाग में मंदाकिनी नदी के तट पर भी कुछ दृश्यों को फिल्माया गया। मेहता ने बताया कि यूनिट में शामिल सुशांत और सारा समेत ढाई सौ लोगों की टीम शनिवार को मुंबई लौट गई। उन्होंने बताया कि फिल्म अगले वर्ष जुलाई तक रिलीज होने की संभावना है।